

समेकित बासेल II प्रकटन
Consolidated Basel II Disclosures

वर्ष 2009 - 10 के लिए समेकित लेखों का हिस्सा
Forming part of the Consolidated Accounts for the year 2009-10

1. प्रयोज्यता का क्षेत्र – पूंजी और संबंधित प्रकटन
Scope of Application- Capital and Related disclosures

(क) समूह के शीर्ष बैंक का नाम जिस पर रूपरेखा लागू होती है : आईडीबीआई बैंक लिमिटेड

(a) The name of the top bank in the group to which the Framework applies: IDBI Bank Ltd.

(ख) लेखांकन व विनियामक प्रयोजन हेतु समेकन के आधार में होने वाले अंतर की रूपरेखा समूह की संस्थाओं का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए प्रस्तुत की गई है. समेकन का कार्य सभी संव्यवहारों व समान परिस्थितियों की विभिन्न गतिविधियों के लिए समान लेखांकन नीतियों के आधार पर किया गया है. सांविधिक / विनियामक आवश्यकताओं के कारण जहां व्यावहारिक नहीं है, वहां संबंधित कानून / विनियामक प्राधिकारी द्वारा आदेशित लेखांकन नीतियां अपनाई गई हैं.

(b) An outline of differences in the basis of consolidation for accounting and regulatory purposes, with a brief description of the entities within the group. The consolidation is done using uniform accounting policies for all transactions and other events in similar circumstances. Where it is not practical, due to statutory/ regulatory requirements, accounting policies as mandated by respective statutes/ regulatory authorities are followed.

(i) पूर्णतः समेकित संस्थाएं:

Entities that are fully consolidated:

- आईडीबीआई कैपिटल मार्केट सर्विसेस लिमिटेड : कारोबार में स्टॉक ब्रोकिंग, वित्तीय योजनाओं का वितरण, मर्चेन्ट बैंकिंग, कॉर्पोरेट सलाहकारी सेवाएं आदि शामिल हैं.

IDBI Capital Market Services Ltd- Business includes stock broking, distribution of financial products, merchant banking, corporate advisory services etc.

आईडीबीआई होम फाइनेंस लिमिटेड : आवास वित्तपोषण में संलग्न.

IDBI Homefinance Ltd- Engaged in providing housing finance.

आईडीबीआई गिल्ट्स लिमिटेड : प्राथमिक डीलरशिप कारोबार

IDBI Gilts Ltd- Deals in Primary Dealership business.

आईडीबीआई एएमसी - आस्तियों का प्रबंधन.

IDBI AMC- Manages Assets.

आईडीबीआई एएमएफ ट्रस्टी - म्यूचुअल फंड कारोबार देखता है.

IDBI MF Trustee-Looks after Mutual Fund business.

(ii) समानुपातिक रूप से समेकित संस्थाएं : कोई नहीं.

Entities that are pro-rata consolidated: NIL

(iii) ऐसी संस्थाएं, जिन पर घटाव समायोजन लागू हैं

Entities that are given a deduction treatment:

- आईडीबीआई फोर्टिस लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड.
IDBI Fortis Life Insurance Ltd.
- आईडीबीआई इंटेक लिमिटेड - आईटी क्षेत्र की गतिविधियों में संलग्न.
IDBI Intech Ltd- Undertakes activities in the IT sector.
- आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज़ लिमिटेड - विभिन्न स्वरूप की व्यापक कॉर्पोरेट ट्रस्टीशिप सेवाएं उपलब्ध कराती है.
IDBI Trusteeship Services Ltd-providing a wide spectrum of corporate trusteeship services.

(iv) ऐसी संस्थाएं जो न तो समेकित हैं न उनमें घटाव है (अर्थात् जहां जोखिम भारित निवेश हों) - कुछ नहीं.

Entities that are neither consolidated nor deducted (e.g. where the investment is risk-weighted): Nil

- (ग) सभी सहायक संस्थाओं में पूंजीगत कमियों की कुल राशि को समेकन में शामिल नहीं किया गया हो अर्थात् जिनमें घटाव समायोजन किया गया हो तथा उनके नाम : कुछ नहीं.
- (च) The aggregate amount of capital deficiencies in all subsidiaries not included in the consolidation i.e. that are deducted and the name(s) of such subsidiaries- Nil
- (घ) बीमा संस्थाओं में बैंक के कुल हितों की सकल राशि (उदाहरण वर्तमान बही मूल्य), जो जोखिम भारित हों, साथ ही उनके नाम, उनके निगमन या निवास का देश, स्वामित्व हित का अनुपात और हित, यदि अलग हो और उन संस्थाओं में मताधिकार का अनुपात. इसके अलावा इस पद्धति बनाम कटौती या वैकल्पिक समूह-वार पद्धति को अपनाने पर विनियामक पूंजी पर प्रभाव - कुछ नहीं.
- (द) The aggregate amounts (e.g. current book value) of the bank's total interests in insurance entities, which are risk-weighted as well as their name, their country of incorporation or residence, the proportion of ownership interest and, if different, the proportion of voting power in these entities. In addition, the impact on regulatory capital of using this method versus using the deduction or alternate group-wide method- Nil

2. पूंजी विन्यास

Capital structure

क) सारांश

a) Summary

रिज़र्व बैंक के पूंजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार पूंजीगत निधियां टीयर I व टीयर II में वर्गीकृत की गई हैं.

The capital adequacy norms of RBI classify capital funds into Tier I and Tier II capital.

टीयर I पूंजी में निम्न घटक शामिल हैं: चुकता ईक्विटी पूंजी, सांविधिक रिज़र्व, अन्य प्रकटित निर्बंध रिज़र्व, पूंजी रिज़र्व तथा टीयर I पूंजी में शामिल होने के पात्र नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत.

Elements of Tier I capital include; paid up equity capital, statutory reserves, other disclosed free reserves, Capital reserves and Innovative Perpetual Debt Instruments eligible for inclusion in Tier I capital.

टीयर II पूंजी में निम्न घटक शामिल हैं : पुनर्मूल्यन रिज़र्व, सामान्य प्रावधान एवं हानि रिज़र्व, संमिश्र ऋण पूंजी लिखत तथा गौण ऋण.

Elements of Tier II capital include; Revaluation reserves, general provisions and loss reserves, hybrid debt capital instruments and subordinated debt.



टीयर I बांड : 31 मार्च 2010 के अनुसार बैंक की टीयर I पूंजी में निम्नलिखित शामिल हैं :

Tier I Bonds: As on March 31, 2010 the Bank's Tier I capital includes;

- (i) एनआईसी (एलटीओ) फंड एवं आईबीआरडी ऋण व्यवस्था के अंतर्गत रिज़र्व बैंक के प्रति बैंक की देयताओं के समपरिवर्तन पर मार्च 2002 में भारत सरकार द्वारा अभिदान किये गये 2,130.50 करोड़ रुपये के टीयर I बांड, भारत सरकार द्वारा अभिदान किये गये उक्त टीयर I बांड की अवधि 20 वर्ष है, जिसके साथ इसे इक्विटी के रूप में संपरिवर्तित करने का अथवा बैंक के अनुरोध पर 20 वर्ष की अवधि के लिए और आगे बढ़ाने का विकल्प भी है। इसके अलावा जिस वर्ष बैंक घाटे में होगा, उस वर्ष के लिए इन बांडों पर देय ब्याज को माफ करने के संबंध में भारत सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी। रिज़र्व बैंक ने इन बांडों को बैंक की टीयर I पूंजी के रूप में सम्मिलित किए जाने के लिए पात्र माना है ; तथा

Tier I bonds of Rs.2,130.50 crore subscribed by the Government of India (GoI) in March 2002, on conversion of liability of the Bank towards RBI under NIC (LTO) fund & IBRD Lines of Credit, Tier I bonds subscribed by the GoI have a tenor of 20 years with an option for conversion into equity or for rolling it over for a further period of another 20 years, at the request of the Bank. Further, GoI would favourably consider foregoing the interest due on these bonds in the years in which the Bank incurs loss. RBI has made these bonds eligible for qualifying as Tier-I Capital of the Bank. and;

- (ii) ऐसे लिखतों को जारी करने के लिए रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2008 - 09 तथा 2009 - 10 में किस्तों में 1463.70 करोड़ रुपए के नवोन्मेषी बेमीयादी ऋण लिखत (आईपीडीआई) जुटाये गये।

Innovative Perpetual Debt Instrument (IPDI) of Rs. 1463.70 crore raised in tranches during FYs 2008-09 and 2009-10 in compliance with RBI guidelines for issue of such instruments.

आईपीडीआई लिखत बेमीयादी स्वरूप के होते हैं, जिनमें रिज़र्व बैंक के पूर्व अनुमोदन से 10 वर्ष के बाद कॉल ऑप्शन उपलब्ध होता है। बैंक का सीआरएआर सांविधिक आवश्यकताओं से कम होने पर इन बांडों पर ब्याज देय नहीं होता। इसके अलावा इन बांडों पर ब्याज संचयी नहीं होता। रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देश के अनुसार इन बांडों पर स्टेप-अप विकल्प के साथ अधिकतम 100 आधार बिंदु वाले कूपन जारी किए जा सकते हैं और यह व्यवस्था कॉल ऑप्शन के साथ केवल एक ही बार इसका प्रयोग किया जा सकता है।

IPDI instruments are perpetual in nature, having a call option after 10 years with the prior approval of RBI. Interest on these bonds is not payable if the Bank's CRAR is below the regulatory requirement. Further, the interest on these bonds is not cumulative. As per RBI guidelines, coupon on these bonds may carry a step-up option up to a maximum of 100 bps, which may be exercised only once, in conjunction with the call option.

अपर टीयर II बांड : वित्तीय वर्ष 2008-09 और 2009-10 के दौरान बैंक ने 15 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाले (रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से 10 वर्ष के बाद कॉल ऑप्शन) 3286.20 करोड़ रुपये के अप्रतिभूत प्रतिदेय अपर टीयर II बांड किस्तों में जुटाये थे। रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देश के अनुसार इन बांडों के कूपन पर अधिकतम 100 आधार बिंदु तक स्टेप-अप होगा जो कॉल ऑप्शन के साथ केवल एक ही बार प्रयोग किया जा सकेगा। बैंक का सीआरएआर सांविधिक आवश्यकताओं से कम होने पर इन बांडों पर ब्याज देय नहीं होता। ये बांड रिज़र्व बैंक के पूर्व-अनुमोदन पर ही प्रतिदेय हैं।

Upper Tier II Bonds: Unsecured, redeemable Upper Tier II bonds of Rs. 3286.20 crore with a maturity of 15 years (call option after 10 years with the approval of RBI) were raised by the Bank in tranches during FYs 2008-09 and 2009-10. According to RBI guidelines, coupon on these bonds may carry a step-up option up to a maximum of 100 bps, which may be exercised only once, in conjunction with the call option. Interest on these bonds is not payable if the bank's CRAR is below the regulatory requirement. These bonds are redeemable only with the prior approval of RBI.

गौण (निम्न) टीयर II बांड : अप्रतिभूत, प्रतिदेय गौण (निम्न) टीयर II बांड विभिन्न किस्तों में जुटाए गए। इनमें से अधिकांश बांडों की निश्चित परिपक्वता अवधि होती है और कोई पुट / कॉल ऑप्शन उपलब्ध नहीं रहता। ये बांड रिज़र्व बैंक के पूर्व-अनुमोदन के बाद ही प्रतिदेय होते हैं। 31 मार्च 2010 को ऐसे बांडों की कुल बकाया राशि 5818.59 करोड़ रुपये थी।

Subordinated (lower) Tier II Bonds: Unsecured, Redeemable Subordinated (lower) Tier II Bonds have been raised in different tranches. Most of these bonds carry a fixed maturity without put/ call option and are repayable with prior approval of RBI. The outstanding amount of such bonds as on March 31, 2010 aggregated Rs.5818.59 crore.



- ख) टीयर I व टीयर II पूंजी के रूप में गणना किए जाने वाले लिखतों की प्रमुख विशेषताएं
 b) Main features of the instruments being reckoned as Tier I and Tier II capital

विवरण Particulars	जारी करने की तारीख Date of Issue	31.3.2010 को बकाया राशि (करोड़ रुपये) Amount Outstanding as on 31.3.2010 (Rs. Crore)	औसत अवधि (वर्षों में) Average Tenor (years)	भारित औसत कूपन (% वार्षिक) Weighted average Coupon (% p.a.)	वर्तमान रेटिंग Present Rating
नवोन्मेषी बेमीयादी ऋण लिखत Innovative Perpetual Debt Instrument	वित्तीय वर्ष 2008-09 और 2009-10 की विभिन्न तारीखों को on various dates in FYs 2008-09 & 2009-10	1463.70	बेमीयादी (10 वर्ष के बाद कॉल ऑप्शन) Perpetual (Call option after 10 years)	9.45 #	क्रिसिल द्वारा 'एए/ स्टेबल' इक्रा द्वारा 'एलएए' 'AA/Stable' by CRISIL 'LAA' by ICRA
परिवर्तनीय टीयर I बांड (भारत सरकार द्वारा अभिदत्त) Convertible Tier I Bonds (subscribed by Govt)	30.03.2002 31.03.2002	1157.02 973.48	20 20	8.00 11.88	
		2130.50	20	9.77	
अपर टीयर II बांड Upper Tier II Bonds	वित्तीय वर्ष 2008 - 09 और 2009 - 10 की विभिन्न तारीखों को on various dates in FYs 2008-09 & 2009-10	3286.20	15 (10 वर्ष के बाद कॉल ऑप्शन) 15 (Call option after 10 years)	9.77 #	क्रिसिल द्वारा 'एए/ स्टेबल' इक्रा द्वारा 'एलएए' (स्टेबल आउटलुक के साथ) 'AA/Stable' by CRISIL 'LAA' by ICRA(with stable outlook)
गौण (निम्न) टीयर II बांड Subordinated (lower) Tier II Bonds	विभिन्न तारीखों को On various dates	4761.93*	9.19	9.04	क्रिसिल द्वारा 'एए+/ स्टेबल' इक्रा द्वारा 'एलएए+' (स्टेबल आउटलुक के साथ) और फिच द्वारा 'एए + (इंड)' 'AA+/Stable' by CRISIL 'LAA+' by ICRA (with stable outlook) & 'AA+(ind)' by FITCH

- # 10 वर्ष बाद कॉल ऑप्शन का प्रयोग न करने पर 50 आधार बिंदु के स्टेप अप के साथ.
 With step up of 50 bps if call option not exercised at the end of 10 years.
 * यह 5818.59 करोड़ रुपये के कुल बकाया का बट्टाकृत मूल्य है
 Is the discounted value of the total outstanding of Rs. 5818.59 crore.

- ग) पूंजी संरचना
 c) Composition of capital

यथा मार्च 2010 / As on March 2010	(करोड़ रुपये / Rs. Crore)
टीयर I पूंजी की राशि / Amount of Tier I Capital	
टीयर I पूंजी / Tier I Capital	
प्रदत्त शेयर पूंजी / Paid up share capital	724.86
रिज़र्व / Reserves	7689.60
नवोन्मेषी लिखत / Innovative instruments	1463.70
अन्य पूंजी लिखत (टीयर I बांड) / Other capital instruments (Tier I Bonds)	2130.50
सकल योग / Gross Total	12008.66



यथा मार्च 2010 / As on March 2010	(करोड़ रुपये / Rs. Crore)
कटौतियां / Deductions:	
सहायक संस्थाओं में निवेश / Investments in subsidiaries	114.76
अमूर्त आस्तियां / Intangible assets	343.88
अन्य / Others	3.36
निवल कुल (क) / Net Total (a)	11546.66
टीयर II पूंजी की राशि / Amount of Tier II Capital	
टीयर II पूंजी / Tier II Capital	
पुनर्मूल्यांकन रिज़र्व / Revaluation reserve	871.97
अपर टीयर II निवेश / Upper Tier II investments	3286.20
लोअर टीयर II निवेश / Lower Tier II investments	4761.93
सामान्य प्रावधान / General Provisions	540.95
सकल योग / Gross Total	9461.05
कटौतियां / Deductions:	
सहायक / सहयोगी वित्तीय संस्थाओं की प्रदत्त ईक्विटी में निवेश Investments in paid-up equity of financial subsidiaries / associates	114.76
अन्य कटौतियां / Other deductions	3.36
निवल कुल (ख) / Net Total (b)	9342.93
कुल पात्र पूंजी (क+ख) / Total Eligible capital (a+b)	20889.59
वर्ष 2009-10 के दौरान जुटाई गई पूंजी / Capital raised during the year 2009-10:	
टीयर I / Tier I	1131.70
अपर टीयर II / Upper Tier II	1786.20
लोअर टीयर II / Lower Tier II	942.50
कुल / Total	3860.40

3. पूंजी पर्याप्तता:

Capital Adequacy:

क) सारांश

a) Summary

बैंक ऋण निवेश के मूल्य में हानि जोखिम के प्रति सुरक्षा प्रदान करने तथा जमाकर्ताओं और सामान्य ऋणदाताओं को हानियों से बचाने के लिए पूंजी रखता है। रिज़र्व बैंक के दिशा - निर्देशों के अनुसार बैंक को जोखिम भारित आस्ति की तुलना में कुल पूंजी का अनुपात (सीआरएआर) न्यूनतम 9% (समेकित आधार पर) रखना अपेक्षित है, जिसमें से टीयर I पूंजी का अनुपात 6% होना चाहिए। बैंक की सीआरएआर रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम सीआरएआर से अधिक अनुमानित की गई है।

Capital is maintained by the Bank to cushion against risk of loss in value of exposures and to protect the depositors and general creditors against losses. In line with the guidelines of the RBI, the Bank is required to maintain a capital ratio of Total Capital to Risk weighted assets (CRAR) at a minimum of 9% (on consolidated basis) comprising a minimum Tier I capital ratio of 6%. CRAR of the Bank is estimated to be above the minimum CRAR as stipulated by RBI.

बैंक ने बासेल II दिशा निर्देशों के पिलर I के अंतर्गत पूंजी पर्याप्तता का आकलन करने के लिए ऋण जोखिम हेतु मानकीकृत दृष्टिकोण, परिचालन जोखिम हेतु मूल संकेतक दृष्टिकोण तथा बाज़ार जोखिम हेतु मानकीकृत अवधि दृष्टिकोण अपनाया है। बैंक ऋण, बाज़ार और परिचालन जोखिम के लिए बासेल II के अंतर्गत उन्नत दृष्टिकोण अपनाने के लिए संरचना बनाने की प्रक्रिया में है।

The Bank has adopted the standardised approach for Credit Risk, the basic indicator approach for Operational Risk and the standardised duration approach for Market Risk for calculating the Bank's capital adequacy under Pillar I of the Basel II guidelines. The Bank is in the process of setting up a framework for adoption of advanced approaches under Basel II for Credit, Market and Operational risks.



बैंक ने बासेल II के दिशा निर्देशों के पिलर II के अंतर्गत आंतरिक पूंजी पर्याप्तता और आकलन प्रक्रिया (आईसीएएपी) नीति तैयार की है। इस दस्तावेज से बैंक को पूंजी की पर्याप्तता का आकलन करने और वर्तमान तथा भावी जोखिम की गणना करने तथा ऐसे जोखिम से निपटने के लिए उपयुक्त रणनीति तैयार करने में सहायता मिलती है।

The Bank has formalized an Internal Capital Adequacy and Assessment Process (ICAAP) policy under Pillar II of the Basel II guidelines. This document aids the Bank to assess adequacy of capital and to quantify and project current and future risks and develop appropriate strategies to manage such risks.

ख) बासेल II मानदंडों के अनुसार पूंजीगत आवश्यकताएं

b) Capital Requirements as per Basel II norms

31 मार्च 2010 को विभिन्न प्रकार के जोखिमों के लिए न्यूनतम 9% की पूंजी आवश्यकताओं और बैंक की सीआरएआर की समेकित स्थिति निम्नानुसार है:

The position of the Minimum Capital required (at 9%) for different types of risks and the CRAR of the Bank on a consolidated basis as on March 31, 2010 is as follows:

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

(क)	ऋण जोखिम पूंजी:	
(a)	Credit risk Capital:	
	मानकीकृत दृष्टिकोण के अधीन पोर्टफोलियो / Portfolios subject to standardised approach	14867.48
	प्रतिभूतिकरण / Securitisation	—
(ख)	बाजार जोखिम पूंजी:	
(b)	Market risk Capital:	
	मानकीकृत अवधि दृष्टिकोण / Standardised duration approach	
	ब्याज दर जोखिम / Interest Rate Risk	570.04
	विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम (स्वर्ण सहित) / Foreign exchange Risk (including Gold)	31.50
	ईक्विटी जोखिम / Equity Risk	573.50
(ग)	परिचालन जोखिम पूंजी:	
(c)	Operational risk Capital:	
	मूल संकेतक दृष्टिकोण / Basic indicator approach	334.11
	कुल अपेक्षित न्यूनतम पूंजी / Total Minimum Capital required	16376.63
	कुल एवं टियर I पूंजी का अनुपात / Total and Tier 1 capital ratio:	
	टीयर I (%) / Tier I (%)	6.35%
	कुल (%) / Total (%)	11.48%

4. ऋण जोखिम के संबंध में सामान्य प्रकटन

General Disclosures in respect of Credit Risk

ऋण जोखिम एक प्रकार से हानि का जोखिम है, जो प्रतिपक्षी द्वारा वित्तीय संविदा के अंतर्गत देयताओं को पूरा न करने और शर्तों को पालन पूरा न कर पाने के कारण होता है। इस तरह की किसी भी चूक का बैंक के वित्तीय कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बैंक में ऋण जोखिम उसके उधार और निवेश परिचालनों के जरिये उत्पन्न होता है।

Credit Risk is the risk of loss that may occur from failure of the counter party to meet its obligations and abide by the terms of the financial contract. Any such failure has an adverse effect on the financial performance of the bank. The Credit Risk faced by the Bank arises through its lending and investment operations.



क) बैंक की ऋण जोखिम प्रबंध नीति

a) Bank's credit risk management policy

बैंक की ऋण जोखिम प्रबंध नीति में ऋण निवेश की पहचान, मूल्यांकन, परिमाणन, निगरानी और नियंत्रण शामिल है। इसका उद्देश्य एक ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले ऋण पोर्टफोलियो को बनाए रखना है ताकि सभी कंपनियों और कारोबार समूहों, समूह कंपनियों, उद्योगों, भौगोलिक स्थितियों और ऋण योजनाओं द्वारा आस्ति की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की गिरावट का न होना सुनिश्चित किया जा सके। बैंक ने एकल उधारकर्ता समूह कंपनी के संबंध में ऋण सहायता, संवेदनशील क्षेत्र को ऋण सहायता, उद्योग को ऋण सहायता और अप्रतिभूत ऋण सहायताओं के संबंध में मानदंड लागू किए हैं। बैंक आस्ति पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जोखिम रेटिंग को एक प्रमुख साधन के रूप में इस्तेमाल करता है।

The Bank's Credit Risk Management Policy encompasses identification, assessment, measurement, monitoring and control of the credit exposures. It aims at sustaining a high quality of credit portfolio by ensuring that there is no deterioration in the quality of assets in the portfolio, diversification across companies and business groups, group companies, industries, geographies and credit products. The Bank has put in place internal guidelines on exposure norms in respect of single borrower, group companies, exposure to sensitive sector, industry exposure and unsecured exposures. The Bank utilizes credit risk rating as one of the key tools to assist in maintaining quality asset portfolio.

ख) गैर-निष्पादक आस्तियों की परिभाषाएं

b) Definitions of non performing assets

रिज़र्व बैंक के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक अपने अग्रिमों का वर्गीकरण निष्पादक और गैर-निष्पादक आस्तियों के रूप में करता है। इन दिशानिर्देशों में अन्य बातों के साथ-साथ गैर-निष्पादक आस्ति (एनपीए) को ऐसे ऋण या अग्रिम के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां :

The Bank classifies its advances into performing and non-performing advances in accordance with extant RBI guidelines. The guidelines inter-alia, define a non performing asset (NPA) as a loan or an advance where;

- मीयादी ऋण में ब्याज और / अथवा मूलधन की किस्तें 90 से अधिक दिन से अतिदेय हों।
interest and/ or installment of principal remains overdue for more than 90 days for a term loan,
- खाते में लगातार 90 से अधिक दिन तक ओवरड्राफ्ट / कैश क्रेडिट चलते रहने पर खाता 'अनियमित' माना जाता है। यदि खाते में बकाया राशि मंजूर सीमा / आहरण अधिकार से लगातार अधिक रहती हो, तो उसे भी 'अनियमित' माना जाता है। जिन मामलों में मुख्य परिचालन खाते में बकाया राशि मंजूर सीमा / आहरण अधिकार से कम है, किंतु उनमें यथा तुलन पत्र की तारीख तक लगातार 90 से अधिक दिन तक कोई राशि जमा नहीं होती है या जो जमाराशियां इस अवधि के दौरान नामे किए गए ब्याज के लिए पर्याप्त नहीं हैं, ऐसे खातों को भी 'अनियमित' माना जाता है।

the account remains 'out of order' in respect of overdraft / cash credit continuously for 90 days. An account would be treated as 'out of order' if the outstanding balance remains continuously in excess of the sanctioned limit/drawing power. In cases where the outstanding balance in the principal operating account is less than the sanctioned limit/drawing power, but there are no credits continuously for 90 days as on the date of Balance Sheet or credits are not enough to cover the interest debited during the same period, these accounts are treated as 'out of order'.

- बैंक द्वारा क्रय किए गए या बट्टाकृत बिल को 90 दिन बाद 'अतिदेय' माना जाता है।
A bill purchased or discounted by the Bank remains 'overdue' for more than 90 days.
- कृषि ऋण के संबंध में अल्पावधि फसलों के मामले में ब्याज तथा / अथवा मूलधन की किस्तों की अदायगी दो फसल मौसम से अतिदेय होने और दीर्घावधि फसलों में एक फसल मौसम से अतिदेय होने पर।

In respect of an agricultural loan, the interest and / or installment of principal remains overdue for two crop seasons for short duration crops and for one crop season for long duration crops.

इसके अलावा रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार एनपीए को अवमानक, संदिग्ध एवं हानि आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

Further, NPAs are classified in to substandard, doubtful and loss assets based on the criteria stipulated by RBI.

प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में, जहां ब्याज / मूलधन बकाया है, बैंक ऐसी प्रतिभूतियों पर आय को गणना में शामिल नहीं करता है तथा निवेश के मूल्य में कमी के लिए उचित प्रावधान करता है।

In respect of investments in securities, where interest / principal is in arrears, the Bank does not reckon income on such securities and makes appropriate provisions for the depreciation in the value of investments.

ग 31 मार्च 2010 के अनुसार ऋण सहायता
 c) Credit Exposures as on March 31, 2010

(i) सर्वाधिक सहायता प्राप्त 20 उद्योग
 Top 20 Industry wise exposure

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

क्रम सं. / SR. NO	उद्योग / INDUSTRY	निधि आधारित / Fund based	गैर-निधि आधारित / Non Fund Based	कुल ऋण सहायता / Total exposure
1	खुदरा ऋण / Retail Loans	29642.46	—	29642.46
2	बिजली / Power	20468.22	8644.34	29112.56
3	लोहा एवं इस्पात / Iron And Steel	12022.73	6085.23	18107.96
4	निर्माण / Construction	4556.89	11138.72	15695.60
5	दूरसंचार सेवाएं / Telecom Services	6850.71	7525.42	14376.13
6	टेक्सटाइल / Textiles	8077.94	1545.00	9622.94
7	बिजली मशीनरी / Electrical Machinery	2353.97	6633.42	8987.39
8	एनबीएफसी / NBFC	8037.69	417.00	8454.69
9	खाद्य और पेय पदार्थ / Food & Beverages	6042.75	2034.28	8077.04
10	तेल और गैस निकालना / Oil & Gas Extraction	3557.93	3855.28	7413.21
11	आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी) / Housing Finance Companies (HFC's)	6833.75	—	6833.75
12	इंजीनियरिंग / Engineering	1753.84	4960.07	6713.91
13	चीनी / Sugar	3993.43	2028.86	6022.29
14	वाणिज्यिक रियल इस्टेट / Commercial Real Estate	4884.29	809.29	5693.58
15	रिफाईंड पेट्रोलियम उत्पाद / Refined Petroleum Products	2690.52	2896.18	5586.70
16	सड़क / पुल / Roads / Bridges	3215.01	2321.89	5536.90
17	उर्वरक / Fertilizers	2028.30	3367.20	5395.50
18	ट्रेडिंग / Trading	2876.49	2517.94	5394.42
19	इलेक्ट्रॉनिक्स / संचार / Electronics/Communication	4121.24	1047.72	5168.96
20	रसायन और रसायन उत्पाद / Chemicals & Chemical Products	3238.58	1915.43	5154.01
	कुल / Total	137246.74	69743.27	206990.00



ii) 31 मार्च 2010 के अनुसार आस्तियों का शेष संविदात्मक परिपक्वता विश्लेषण
Residual contractual maturity breakdown of assets as on March 31, 2010

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

समय संवर्ग Time Buckets	नकदी एवं रिज़र्व बैंक व अन्य बैंकों के पास जमा शेष Cash & Balances with RBI & Banks	निवेश Investments	अग्रिम Advances	अचल आस्तियां एवं अन्य आस्तियां Fixed & Other Assets	कुल आस्तियां* TOTAL ASSETS*
पहला दिन / Day 1	2,149	652	1,666	403	4,870
2 से 7 दिन / 2 to 7 days	519	1,758	3,008	34	5,319
8 से 14 दिन / 8 to 14 days	320	1,501	3,460	140	5,421
15 से 28 दिन / 15 to 28 days	645	988	4,495	154	6,282
29 दिन से 3 माह तक 29 days and upto 3 months	881	3,398	13,655	943	18,878
3 माह से अधिक व 6 माह तक Over 3 months and upto 6 months	1,440	1,434	10,159	545	13,578
6 माह से अधिक व 12 माह तक Over 6 months to 12 months	3,739	2,973	9,877	251	16,840
1 वर्ष से अधिक व 3 वर्ष तक Over 1 year and upto 3 years	2,398	5,616	42,944	4	50,961
3 वर्ष से अधिक व 5 वर्ष तक Over 3 years and upto 5 years	1,010	6,758	19,240	1,697	28,705
5 वर्ष से अधिक / Over 5 years	1,482	48,267	29,698	3,271	82,718
कुल / Total	14,583	73,345	138,202	7,442	233,572

* एकल आधार पर आईडीबीआई बैंक से संबंधित. / Pertains to IDBI Bank on standalone basis.



घ) 31 मार्च 2010 के अनुसार गैर-निष्पादक आस्तियां
d) Non Performing Assets as on March 31, 2010

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

एनपीए (सकल) / NPAs (gross)		
(क) अवमानक (a) Substandard		1202.25
(ख) संदिग्ध 1 (b) Doubtful 1		366.26
(ग) संदिग्ध 2 (c) Doubtful 2		518.46
(घ) संदिग्ध 3 (d) Doubtful 3		43.89
(ङ) हानि (e) Loss		29.53
(च) निवल एनपीए राशि (f) Amount of Net NPAs		1418.41
(छ) एनपीए अनुपात (g) NPA Ratios		
• सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए / Gross NPAs to Gross Advances		1.52%
• निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए / Net NPAs to Net Advances		1.00%
(ज) एनपीए में घट-बढ़ (सकल) (h) Movement of NPAs (Gross)		
• आरंभिक शेष / Opening Balance		1467.25
• परिवर्धन / Additions		1491.00
• कटौतियां / Reductions		797.88
• अंतिम शेष / Closing Balances		2160.37
(झ) एनपीए के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (i) Movement of Provisions for NPAs		
• आरंभिक शेष / Opening Balance		501.36
• अवधि के दौरान किए गए प्रावधान / Provisions made during the period		780.42
• अतिरिक्त प्रावधानों को बट्टे खाते डालना / पुनरांकित करना Write offs / Write Back of excess provisions		539.80
• अंतिम शेष / Closing Balances		741.98
(ञ) गैर-निष्पादक निवेशों की राशि (j) Amount of Non-performing Investments		93.28
(ट) गैर-निष्पादक निवेशों के लिए धारित प्रावधानों की राशि (k) Amount of provisions held for Non-performing Investments		205.15
(ठ) निवेशों (बांड व डिबेंचर सहित) के मूल्य में कमी के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (l) Movement of provisions for depreciation on investments (including bonds and debentures)		
आरंभिक शेष / Opening Balance		319.59
अवधि के दौरान प्रावधान / Provisions made during the period		260.32
बट्टे खाते डाली गई राशि/अतिरिक्त प्रावधानों का पुनरांकन / Write offs / Write Back of excess provisions		12.37
अंतिम शेष / Closing Balance		567.54



ड) बाह्य क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ

e) External Credit Rating Agencies

बैंक अपनी देशी ऋण सहायताओं का मूल्यांकन करने के लिए केयर, क्रिसिल, इक्रा और फिच (इंडिया) तथा विदेशी ऋण निवेशों के लिए फिच, मूडीज़ तथा स्टैंडर्ड एंड पुअर्स जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा दी गई रेटिंग का उपयोग करता है।

The Bank uses ratings assigned by the accredited agencies; CARE, CRISIL, ICRA and FITCH (India) for its domestic exposures and FITCH, Moodys and Standard & Poor’s for its overseas exposures.

बैंक ने रिज़र्व बैंक के दिशा - निर्देशों द्वारा अनुमत रूप में तुलन पत्र में शामिल तथा शामिल न की गई अल्पावधि तथा दीर्घावधि समस्त पात्र ऋण सहायता के लिए उपर्युक्त एजेंसियों की रेटिंग का प्रयोग किया है।

The Bank has used the solicited ratings of the agencies mentioned above for all eligible exposures; on balance sheet and off balance sheet; short term and long term in the manner permitted by the RBI guidelines.

विभिन्न जोखिम समूहों में बकाया राशि निम्नानुसार है:

The amount of outstanding in various risk buckets is stated below:

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

धारित जोखिम Risk Weight	बकाया राशि * Total Outstanding*
100% से कम / Less than 100%	165732.33
100 %/ 100%	87220.07
100 % से अधिक / More than 100%	20457.93
कुल / Total	273410.33

* निधि व गैर-निधि आधारित सुविधाएं शामिल हैं।

Comprising Fund based and Non Fund Based facilities.

च) ऋण जोखिम न्यूनीकरण (सीआरएम) तकनीक

f) Credit Risk Mitigation (CRM) Techniques

बैंक ऋण जोखिम को कम करने के लिए वित्तीय तथा गैर-वित्तीय दोनों तरह की संपार्श्विक प्रतिभूतियों और गारंटियों का प्रयोग करता है। बैंक ग्राहक तथा सुविधा के स्वरूप के आधार पर उपयुक्त संपार्श्विक प्रतिभूतियां स्वीकार करता है। प्रमुख वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों में नकदी, स्वर्ण, केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी प्रतिभूतियां, किसान विकास पत्र, म्यूचुअल फंड, राष्ट्रीय बचत पत्र, घोषित अभ्यर्पण मूल्य वाली जीवन बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। गैर-वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों में जमीन और भवन, प्लांट व मशीनरी एवं स्टॉक शामिल हैं। खुदरा पोर्टफोलियो में संपार्श्विक प्रतिभूतियों को योजना के प्रकार के आधार पर परिभाषित किया जाता है। उदाहरण के लिए आवास ऋण के लिए आवास को बंधक रखना संपार्श्विक प्रतिभूति मानी जाएगी।

The Bank uses various collaterals both financial as well as non financial and guarantees as credit risk mitigants. Based on the type of borrower and facility the Bank accepts appropriate collaterals. The main financial collaterals include cash, gold, securities issued by Central and State Governments, Kisan Vikas Patra, Mutual Funds, National Saving Certificate and Life Insurance Policies with a declared surrender value. Whereas the non financial collaterals includes Land and Building, Plant and Machinery and Stock. Under the retail portfolio the collaterals are defined as per the type of product e.g. collateral for housing loan would be residential mortgage.

बैंक ने ऋण जोखिम कम करने की तकनीक एवं संपार्श्विक प्रतिभूति प्रबंध के संबंध में नीति बनाई है जिसका उद्देश्य ऋण जोखिम कम करने के कारकों का वर्गीकरण और मूल्यांकन करने के लिए प्रक्रिया तैयार करना है। बैंक के ऋण जोखिम के लिए पूंजी आवश्यकता की गणना करने के उद्देश्य से केवल उन संपार्श्विक प्रतिभूतियों पर विचार किया जाता है जो रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार जोखिम कम करने के लिए पात्र हैं। संपार्श्विक प्रतिभूतियों के जोखिम कम करने के प्रभाव के परिप्रेक्ष्य में प्रतिपक्षी की ऋण सहायता में विनिर्दिष्ट वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों के मूल्य के आधार पर कमी की जाती है।

The Bank has in place a policy on Credit Risk Mitigation Techniques and Collateral Management, which aims to put in place procedures and processes to enable classification and valuation of the credit risk mitigants. For the purpose of computation of



capital requirement for Credit Risk of the Bank, only those collaterals, which are eligible for risk mitigation as specified by the RBI guidelines are considered. The credit exposure to a counter party is reduced by the value of specified financial collaterals after applying appropriate haircuts to take account of risk mitigating effect of the collateral.

बैंक द्वारा स्वीकार की जाने वाली प्रमुख वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों में बैंक की स्वयं की जमाराशियां, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास पत्र, कॉरपोरेट गारंटियां और बीमा पॉलिसियां शामिल हैं।

The main types of eligible financial collaterals accepted by the Bank are Bank's own deposits, National Savings Certificates, Kisan Vikas Patra, Corporate Guarantees and insurance policies.

जिन पात्र वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों के मामले में जहां बैंक ने सीआरएम तकनीक के अंतर्गत पूंजीगत लाभ प्राप्त किये हैं उनमें से अधिकांश बैंक के स्वयं के एफडी के रूप में हैं, अतः ऋण अथवा बाजार जोखिम के लिए उन्हें ध्यान में नहीं लिया जाता है।

Most of the eligible financial collaterals where the Bank has availed capital benefits under CRM techniques are in the form of Bank's own FDs and hence not subjected to credit or market risk.

बैंक सीआरएम के अंतर्गत राहत प्राप्त करने के लिए कॉरपोरेट गारंटियों पर अलग से विचार करता है। लाभ की गणना रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों में दी गई पद्धति के अनुसार की जाती है।

The Bank considers Corporate guarantees alone for availing benefit under Credit Risk Mitigation. The benefits are calculated as per methodologies stipulated in the RBI guidelines.

सीआरएम तकनीक में शामिल बैंक की ऋण सहायता निम्नानुसार हैं :

The bank exposure where CRM techniques were applied are as follows:

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

संपार्श्विक Collateral	सीआरएम तकनीक से पहले ऋण सहायता Exposure before CRM Techniques	सीआरएम तकनीक के बाद ऋण सहायता Exposure after CRM Techniques
निधि आधारित / Fund Based	4854.20	4561.29
गैर-निधि आधारित / Non Fund Based	9560.42	7348.95
कुल / Total	14414.62	11910.24

जहां सीआरएम तकनीक के रूप में कॉरपोरेट गारंटियों का प्रयोग किया गया वहां ऋण सहायता की राशि 3369.76 करोड़ रुपये थी। ऐसी ऋण सहायता के लिए कॉरपोरेट गारंटियों का मूल्य 1801.24 करोड़ रुपये था।

Exposure, where corporate guarantees were applied as CRM techniques, amounted to Rs 3369.76 crores. The value of corporate guarantees was Rs. 1801.24 crores for such exposure.

5. ट्रेडिंग बहियों में बाज़ार जोखिम का सामान्य प्रकटन General disclosures of Market risk in trading book

क) सारांश

a) Summary

बाज़ार जोखिम एक प्रकार से निवेश के मूल्य में हानि का जोखिम है, जो ब्याज दरों, ईक्विटी दरों, विनिमय दरों और पण्य दरों जैसे बाज़ार को प्रभावित करने वाले कारकों के प्रतिकूल प्रभाव और उनमें निहित अस्थिरता के कारण होता है। बैंक को अपने खातों के साथ-साथ ग्राहकों की ओर से किए गए ट्रेडिंग कार्यकलापों में जोखिम रहता है।

Market Risk is the risk of loss in the value of an investment due to adverse movements in the level of the market variables such as interest rates, equity rates, exchange rates and commodity rates, as well as volatilities in them. The Bank is exposed to market risk through its trading activities, which are carried out on its own account as well as those undertaken on behalf of its customers.

इन जोखिमों के प्रबंधन के लिए बैंक ने आस्ति देयता प्रबंध (एएलएम) नीति, बाज़ार जोखिम नीति और निवेश नीति तैयार की है। बैंक की आस्ति देयता प्रबंध समिति (एल्को) में वरिष्ठ कार्यपालक होते हैं। यह समिति तुलन पत्र जोखिमों का समन्वित तरीके से प्रबंधन करने के लिए नियमित रूप से बैठकें करती है। एल्को चलनिधि, ब्याज दर व विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम जैसे बाज़ार जोखिमों के प्रबंध पर विशेष ध्यान देती है। ब्याज दर संवेदनशीलता विश्लेषण बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) से ब्याज दरों में घट-बढ़ के पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करता है।



The Bank has formulated an Asset Liabilities Management (ALM) Policy, a Market Risk Policy and an Investment Policy to manage market risks. The Asset Liability Management Committee (ALCO) comprising top executives of the Bank meets regularly to manage balance sheet risks in a co-ordinated manner. ALCO focuses on the management of market risks viz., liquidity, interest rate and foreign exchange risks. Interest rate sensitivity analysis measures the impact of interest rate movements on Net Interest Income (NII) of the Bank.

बैंक बाज़ार जोखिम नीति के माध्यम से ऐसे ट्रेडिंग जोखिमों की पहचान करता है, जिनका प्रबंधन किया जाना हो। इस नीति के अंतर्गत लेखा बही में जोखिम प्रबंध के उपयुक्त स्तर के लिए आवश्यक संगठनात्मक स्वरूप, विभिन्न साधनों, पद्धतियों, प्रक्रियाओं आदि को भी निर्धारित किया गया है। बैंक द्वारा अपनाए जाने वाले प्रमुख जोखिम प्रबंधनों में ट्रेडिंग पोर्टफोलियो का मार्क टू मार्केट (एमटीएम) प्रबंध, स्ट्रेस टेस्टिंग आदि शामिल है।

The Market Risk Policy identifies the trading risks to be managed by the Bank. It also lays down the organizational structure, tools, systems, processes, etc., necessary for appropriate levels of risk management in the trading book. The major risk management tools employed by the Bank are Marked to Market (MTM) of trading portfolio, stress testing etc.

ख) बाज़ार जोखिमों के लिए पूंजी प्रभार का समूहन

b) Aggregation of capital charge for market risks

(करोड़ रुपये / Rs. Crore)

जोखिम श्रेणी Risk Category		पूंजी प्रभार Capital charge
क	जोखिम विशेष के कारण पूंजी प्रभार Capital Charge on account of specific risk	560.01
a.		
	i) ब्याज दर संबंधी लिखतों पर / On interest rate related	273.26
	ii) इक्विटी पर / On equities	286.75
	iii) डेरिवेटिव पर / On derivatives	—
ख	सामान्य बाजार जोखिम के कारण पूंजी प्रभार Capital charge on account of general market risk	615.03
b.		
	i) ब्याज दर संबंधी लिखतों पर / On interest rate related instruments	288.28
	ii) इक्विटी पर / On equities	286.75
	iii) विदेशी मुद्रा विनिमय पर / On Foreign exchange	31.50
	iv) बहुमूल्य धातुओं पर / On precious metals	—
	v) डेरिवेटिव पर (एफएक्स विकल्प) / On derivatives (FX Options)	8.50
	व्यापारिक बही पर कुल पूंजी प्रभार (क + ख) / Total Capital Charge on Trading Book (a+b)	1175.04
	व्यापारिक बही पर कुल जोखिम भारित आस्तियां / Total Risk Weighted Assets on Trading Book	13055.98

6. बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

Interest Rate Risk in Banking Book (IRRBB)

बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम से आशय ब्याज दर के मामले में ऐसे संवेदनशील लिखतों के मूल्य में परिवर्तन से जुड़े जोखिम से है, जिन्हें व्यापारिक बही में नहीं रखा गया है। यह निवल ब्याज आय तथा ब्याज दर में होने वाले परिवर्तनों के कारण आस्तियों और देयताओं के मूल्य में संभाव्य हानि है। Interest rate risk in the Banking book is the risk associated with change in the values of interest sensitive instruments that are not held in the Trading book. It is the potential loss in net interest income and value of assets and liabilities arising from changes in interest rate.

बैंक अपनी बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम का प्रबंध समग्र आस्ति देयता प्रबंध (एएलएम) नीति के अंतर्गत करता है। इन जोखिमों का आकलन निवल ब्याज आय संवेदनशीलता तथा अवधि विश्लेषण के माध्यम से करते हुए ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण निवल ब्याज आय (अर्जन परिप्रेक्ष्य) तथा इक्विटी के आर्थिक मूल्य (पूंजी मूल्य परिप्रेक्ष्य) की संवेदनशीलता देखी जाती है। ब्याज दर जोखिमों पर निगरानी व नियंत्रण के लिए बैंक के बोर्ड ने निवल ब्याज आय तथा इक्विटी के आर्थिक मूल्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव के लिए छूट सीमाएं विनिर्दिष्ट की हैं। ब्याज दर जोखिम पर आस्ति देयता प्रबंध समिति (एल्को) द्वारा नियमित निगरानी रखी जाती है और इस जोखिम को विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर रखने के लिए आवश्यकतानुसार तुलन पत्र में शामिल तथा शामिल न की गई मदों के लिए रणनीतियां अपनाई जाती हैं।



The Bank manages the interest rate risk in the banking book as part of the overall Asset Liability Management (ALM) Policy of the Bank. These risks are assessed through sensitivity of net interest income (earning perspective) and economic value of equity (capital value perspective) with respect to changes in interest rate through Interest Rate Sensitivity and Duration analysis. With a view to monitor and control interest rate risks, the Board of the Bank has specified tolerance limits, in terms of the potential impact on Net Interest Income and Economic Value of Equity. Interest rate risk exposures are regularly monitored by the Asset Liability Management Committee (ALCO) and depending upon requirements, on and off-balance sheet strategies are followed to keep the exposure within the specified limits.

ब्याज दर में 100 आधार बिंदुओं के समानांतर परिवर्तन का प्रभाव Impact of parallel shift in Interest Rate by 100 basis points	
(करोड़ रुपये / Rs. Crore)	
ब्याज दर परिवर्तन की तुलना में निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता (जोखिम पर अर्जन) (समयावधि : 1 वर्ष) Sensitivity of Net Interest Income to Interest rate change (Earning at Risk) (Time Horizon: 1 year)	ब्याज दर परिवर्तन की तुलना में ईक्विटी के आर्थिक मूल्य (ईवीई) की संवेदनशीलता (जोखिम पर आर्थिक मूल्य) Sensitivity of Economic Value of Equity (EVE) to Interest rate change (Economic Value at Risk)
एनआईआई पर प्रभाव Impact on NII	ईवीई पर प्रभाव Impact on EVE
13.54	2272.50

**7. मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत प्रतिभूतिकरण ऋण
Securitisation exposure under Standardised Approach**

बैंक अपनी पूंजी के प्रभावी उपयोग, चलनिधि में वृद्धि और आस्तियों में आवर्तन के लिए प्रतिभूतिकरण कार्यकलाप करता है, जोकि उसकी जोखिम प्रबंध रणनीति का ही हिस्सा है।

The Bank takes up securitisation activity for efficient use of capital, enhancing liquidity and churning of assets as part of risk management strategy.

बैंक कॉर्पोरेट ऋणों, खुदरा ऋण समूहों व प्रतिभूति पत्रों का क्रय / विक्रय करता है। इन ऋणों / प्राप्य राशियों को प्रत्यक्ष समनुदेशन के माध्यम से तथा रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रतिभूतिकरण माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

The Bank enters into purchase /sale of corporate loans, pool of retail loans and securitised paper. These loans/ receivable are acquired through direct assignment route as also through Securitisation route in accordance with the RBI guidelines.

क)	बैंक के प्रतिभूतिकरण कार्यकलापों के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटन निम्नलिखित हैं:	
अ)	The general qualitative disclosures with respect to securitisation activities of the Bank are as follows:	
	<ul style="list-style-type: none"> प्रतिभूतिकरण कार्यकलाप के संबंध में बैंक का उद्देश्य, उस सीमा सहित जिस तक ये कार्यकलाप अंतर्निहित प्रतिभूत ऋणों के ऋण जोखिम को बैंक से अलग अन्य संस्थाओं को अंतरित करते हैं। The bank's objectives in relation to securitisation activity, including the extent to which these activities transfer credit risk of the underlying securitised exposures away from the bank to other entities 	प्रतिभूतिकरण लेन-देन बैंक के ऋण पोर्टफोलियो में आवर्तन करने, संरचित उत्पादों में सौदा करने और शुल्क आधारित आय तथा पूंजीगत अभिलाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रतिभूतिकृत कागजात प्राप्त करने के लिए किए जाते हैं। ऋणों को दायित्व-रहित आधार पर प्रतिभूतिकृत किया जाता है जिसके द्वारा अंतर्निहित ऋणों का ऋण जोखिम प्राप्तकर्ता को अंतरित हो जाता है। Securitisation transactions are entered into with a view to churn the Bank's loan portfolio, deal in structured products and acquire securitized papers in order to generate fee based income and capital gains. The loans are securitized on non-recourse basis whereby the credit risk of the underlying loans is transferred to the acquirers.



<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभूत आस्तियों में अंतर्निहित अन्य जोखिमों (जैसे चलनिधि जोखिम) का स्वरूप. The nature of other risks (e.g. liquidity risk) inherent in securitised assets; 	<p>प्रतिभूतिकरण लेन-देनों में अंतर्निहित ब्याज दर जोखिम, चलनिधि / समय-पूर्व चुकौती जोखिम, मिश्रित जोखिम, प्रतिष्ठा जोखिम आदि जैसे जोखिम. The risks such as interest rate risk, liquidity/ prepayment risk, commingling risk, reputation risk etc. inherent in securitization transactions.</p>																												
<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभूतिकरण प्रक्रिया में बैंक द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाएं और इनमें से हरेक में बैंक की सहभागिता की सीमा का संकेत. The various roles played by the bank in the securitisation process and an indication of the extent of the bank's involvement in each of them; 	<p>वित्तीय वर्ष 2010 के दौरान बैंक ने प्रवर्तक, निवेशक, ऋण वृद्धि, चलनिधि सुविधा प्रदाता और सेवा प्रदाता के रूप में निम्नलिखित भूमिकाएं अदा की हैं: During FY 2010, the Bank has played the roles of an Originator, Investor, Provider of Credit Enhancement, Liquidity Facility and Servicer as under :</p> <table border="1" data-bbox="663 654 1511 1353"> <thead> <tr> <th>क्र. सं. Sr. No.</th> <th>अदा की गई भूमिका Role played</th> <th>लेन-देनों की संख्या No. of transactions</th> <th>अंतर्निहित राशि करोड़ रु. Amount involved Rs. Crore</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1</td> <td>प्रवर्तक Originator</td> <td>4</td> <td>252.01*</td> </tr> <tr> <td>2</td> <td>निवेशक Investor</td> <td>4</td> <td>162.94#</td> </tr> <tr> <td>3</td> <td>ऋण वृद्धि प्रदाता (द्वितीय हानि सुविधा) Provider of credit enhancement (Second Loss Facility)</td> <td>2</td> <td>30.98</td> </tr> <tr> <td>4</td> <td>प्रतिभूतिकरण लेन-देनों पर चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility against securitization transaction</td> <td>2</td> <td>33.25</td> </tr> <tr> <td>5</td> <td>प्रत्यक्ष समनुदेशन लेन-देनों के लिए चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility for direct assignment transactions</td> <td>7</td> <td>32.14</td> </tr> <tr> <td>6</td> <td>सेवा प्रदाता Servicer</td> <td>1</td> <td>23.40</td> </tr> </tbody> </table> <p>* समूह आकार Pool Size # बकाया 118.97 करोड़ रुपये Outstanding Rs 118.97 crore</p>	क्र. सं. Sr. No.	अदा की गई भूमिका Role played	लेन-देनों की संख्या No. of transactions	अंतर्निहित राशि करोड़ रु. Amount involved Rs. Crore	1	प्रवर्तक Originator	4	252.01*	2	निवेशक Investor	4	162.94#	3	ऋण वृद्धि प्रदाता (द्वितीय हानि सुविधा) Provider of credit enhancement (Second Loss Facility)	2	30.98	4	प्रतिभूतिकरण लेन-देनों पर चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility against securitization transaction	2	33.25	5	प्रत्यक्ष समनुदेशन लेन-देनों के लिए चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility for direct assignment transactions	7	32.14	6	सेवा प्रदाता Servicer	1	23.40
क्र. सं. Sr. No.	अदा की गई भूमिका Role played	लेन-देनों की संख्या No. of transactions	अंतर्निहित राशि करोड़ रु. Amount involved Rs. Crore																										
1	प्रवर्तक Originator	4	252.01*																										
2	निवेशक Investor	4	162.94#																										
3	ऋण वृद्धि प्रदाता (द्वितीय हानि सुविधा) Provider of credit enhancement (Second Loss Facility)	2	30.98																										
4	प्रतिभूतिकरण लेन-देनों पर चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility against securitization transaction	2	33.25																										
5	प्रत्यक्ष समनुदेशन लेन-देनों के लिए चलनिधि सुविधा प्रदाता Provider of Liquidity Facility for direct assignment transactions	7	32.14																										
6	सेवा प्रदाता Servicer	1	23.40																										
<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभूतिकरण ऋण निवेशों के ऋण तथा बाजार जोखिम में परिवर्तनों की निगरानी करने के लिए लागू प्रक्रियाओं का विवरण (उदारण के लिए, अंतर्निहित आस्तियों का चलन रिज़र्व बैंक के परिपत्र में परिभाषित रूप में प्रतिभूतिकरण ऋण जोखिमों को कैसे प्रभावित करता है). A description of the processes in place to monitor changes in the credit and market risk of securitisation exposures (for example, how the behaviour of the underlying assets impacts securitisation exposures as defined in the RBI circular). 	<p>प्रतिभूतिकरण ऋण-निवेश उन प्रतिभूत खुदरा ऋणों को समूहित करना है जहां प्रवर्तक सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करते हैं। समूह को एएए(एसओ) रेटिंग दी जाती है और उन्हें पर्याप्त ऋण वृद्धि (सीई) द्वारा समर्थन दिया जाता है। बैंक न्यासियों / निवेशक प्रतिनिधियों से मासिक रिपोर्ट प्राप्त करता है, वसूली निष्पादन, चूक का स्तर, ऋण वृद्धि के उपयोग का अध्ययन करता है और उसके प्रभाव का आकलन करने के लिए समूहों की रेटिंग की निगरानी करता है। प्रतिभूत कागजात (पीटीसी) को रिज़र्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार फिममडा मूल्यांकन के आधार पर मार्क-टु-मार्केट किया जाता है। The securitization exposure is to Pools of secured retail loans where the originators are acting as servicers. The pools are rated AAA(SO) and supported by adequate credit enhancement (CE). The Bank obtains monthly reports from the trustees/ investor representatives, studies the collection performance, delinquency levels, utilization of CE and monitors the rating of the pools to have an assessment of its impact. The securitized papers (PTCs) are marked to market based on FIMMDA valuations as per extant RBI guidelines.</p>																												



<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभूतिकरण ऋण-निवेशों के जरिए प्रतिधारित जोखिमों को कम करने के लिए ऋण जोखिम न्यूनीकरण के प्रयोग को नियंत्रित करने संबंधी बैंक की नीति का विवरण. <p>A description of the bank's policy governing the use of credit risk mitigation to mitigate the risks retained through securitisation exposures;</p>	<p>बैंक मानक आस्तियों के प्रतिभूतिकरण के संबंध में रिजर्व बैंक के वर्तमान दिशा-निर्देशों का अनुसरण करता है. बैंक रेटिंग एजेंसियों द्वारा निर्धारित रूप में पर्याप्त ऋण वृद्धि के साथ प्रतिभूत आस्तियों को अर्जित करता है. एक निवेशक के रूप में बैंक ने पर्याप्त ऋण वृद्धि वाले एएए (एसओ) रेटिंग प्राप्त प्रतिभूतिकृत समूहों में ही निवेश किया है. एएए (एसओ) रेटिंग प्राप्त समूह के लिए चलनिधि सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं. द्वितीय हानि सुविधाएं निर्धारित निवेश ग्रेड हैं और पर्याप्त प्रथम हानि सुविधा द्वारा समर्थित हैं. एएए (एसओ) रेटिंग प्राप्त समूहों को भी ये सुविधाएं प्रदान की गई हैं.</p> <p>The Bank follows extant RBI guidelines on Securitisation of Standard Assets. The Bank acquires securitized assets with adequate CE as stipulated by the rating agencies. As an investor, the Bank has invested only in AAA (SO) rated securitized pools having adequate credit enhancement. Liquidity facilities have also been provided for AAA(SO) rated pools. Second loss facilities are rated investment grade and are backed by adequate first loss facility. These facilities have also been provided for AAA(SO) rated pools.</p>
<p>ख प्रतिभूतिकरण कार्यकलापों के लिए बैंक की लेखा नीतियों का सारांश, निम्नलिखित सहित:</p> <p>b Summary of the bank's accounting policies for securitisation activities, including:</p>	
<ul style="list-style-type: none"> • क्या लेन-देनों को बिक्री या वित्तपोषण माना जाता है. Whether the transactions are treated as sales or financings; 	<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिभूतिकरण को बिक्री माना जाता है. Securitisation is treated as Sales. • प्रतिभूत कागजात का अर्जन निवेश माना जाता है Acquisition of securitized papers are treated as investments.
<ul style="list-style-type: none"> • प्रतिधारित या क्रय की गई स्थितियों का मूल्यांकन करने में प्रयुक्त विधियां तथा मुख्य धारणाएं (निविष्टियों सहित) Methods and key assumptions (including inputs) applied in valuing positions retained or purchased 	<p>प्रतिभूत कागजात (पीटीसी) को रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार फिमडा मूल्यांकन के आधार पर मार्क-टु-मार्केट किया जाता है. The securitized paper (PTCs) are marked to market based on FIMMDA valuations as per extant RBI guidelines.</p>
<ul style="list-style-type: none"> • गत अवधि से विधियों तथा मुख्य धारणाओं में परिवर्तन और परिवर्तनों का प्रभाव; Changes in methods and key assumptions from the previous period and impact of the changes; 	<p>शून्य Nil</p>
<ul style="list-style-type: none"> • उन व्यवस्थाओं के लिए तुलन पत्र में देयताओं को दर्शाने के लिए नीतियां जो बैंक से प्रतिभूतिकृत आस्तियों के लिए वित्तीय सहायता की अपेक्षा कर सकती हैं. Policies for recognising liabilities on the balance sheet for arrangements that could require the bank to provide financial support for securitised assets. 	<p>रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार देयताएं तुलन पत्र में दर्शायी जाती हैं. Liabilities are recognized on the balance sheet in terms of RBI guidelines.</p>
<p>बैंकिंग बही में, प्रतिभूतिकरण के लिए प्रयुक्त बाह्य ऋण मूल्यांकन संस्थाओं (ईसीएआई) के नाम और प्रतिभूतिकरण ऋण निवेश का प्रकार जिसके लिए हर एजेंसी का प्रयोग किया जाता है. In the banking book, the names of External Credit Assessment Institutions (ECAIs) used for securitisations and the types of securitisation exposure for which each agency is used.</p>	<ul style="list-style-type: none"> • बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत ऋणों की क्रिसिल द्वारा रेटिंग की गई. Loans securitised by the Bank were rated by CRISIL. • क्रिसिल, केयर तथा फिच्व इंडिया द्वारा चलनिधि सुविधाओं की रेटिंग की गई Liquidity facilities were rated by CRISIL, CARE and FITCH India. • इक्रा द्वारा द्वितीय हानि सुविधाओं की रेटिंग की गई. Second loss facilities were rated by ICRA.



ग. c.	<p>बैंकिंग बही में बैंक के प्रतिभूतिकरण कार्यकलापों के संबंध में मात्रात्मक प्रकटन निम्नलिखित हैं : Quantitative disclosures with respect to securitisation activities of the Bank in the Banking book are as follows:</p>																														
1.	<p>बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत ऋणों की कुल राशि The total amount of exposures securitised by the bank</p>	<p>समूह आकार - 252.01 करोड़ रुपये (ब्याज सहित बही मूल्य - 245.08 करोड़ रुपये) Pool size - Rs. 252.01 crore (Book value including interest – Rs.245.08 crore)</p>																													
2.	<p>वर्तमान अवधि के दौरान प्रतिभूतिकृत हानियों के लिए बैंक द्वारा हिसाब में ली गई ऋण सहायता. (जैसे अंतर्निहित प्रतिभूति द्वारा वर्णित क्रेडिट कार्ड, आवास ऋण, वाहन ऋण आदि) For exposures securitised losses recognised by the bank during the current period broken by the exposure type (e.g. Credit cards, housing loans, auto loans etc. detailed by underlying security)</p>	<p>शून्य Nil</p>																													
3.	<p>एक वर्ष के भीतर प्रतिभूतिकृत की जाने वाली आस्तियों की राशि Amount of assets intended to be securitised within a year</p>	<p>लगभग 100-200 करोड़ रुपये About Rs. 100-200 crore</p>																													
4.	<p>(ग.3) में से प्रतिभूतिकरण से एक वर्ष पूर्व उत्पन्न हुई आस्तियों की राशि. Of (c.3), amount of assets originated within a year before securitisation.</p>	<p>शून्य Nil</p>																													
5.	<p>प्रतिभूतिकृत ऋणों की कुल राशि (ऋण के प्रकार के अनुसार) और ऋण प्रकार के अनुसार बिक्री पर अभिलाभ या हानि न माने गये. The total amount of exposures securitised (by exposure type) and unrecognised gain or losses on sale by exposure type.</p>	<p style="text-align: right;">(करोड़ रुपये / Rs. Crore)</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 15%;">ऋण का प्रकार Loan Type</th> <th style="width: 25%;">लेन-देन का ब्योरा Transaction details</th> <th style="width: 15%;">प्रतिभूतिकृत ऋण की राशि Amt of exposure securitized</th> <th style="width: 10%;">अभिलाभ Gain</th> <th style="width: 35%;">यथा 31.3.10 को हिसाब में न लिया गया अभिलाभ Unrecognised as on 31/3/10</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td rowspan="5">खुदरा सीवी ऋण Retail CV loans</td> <td>आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-I IBRL Trust June 2009-I</td> <td style="text-align: center;">38.39</td> <td style="text-align: center;">0.40</td> <td style="text-align: center;">0.02</td> </tr> <tr> <td>आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-II IBRL Trust June 2009-II</td> <td style="text-align: center;">65.41</td> <td style="text-align: center;">0.66</td> <td style="text-align: center;">0.03</td> </tr> <tr> <td>आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-III IBRL Trust June 2009-III</td> <td style="text-align: center;">95.20</td> <td style="text-align: center;">0.88</td> <td style="text-align: center;">0.03</td> </tr> <tr> <td>आईबीआरएल ट्रस्ट नवंबर 09 IBRL Trust Nov 09</td> <td style="text-align: center;">46.08</td> <td style="text-align: center;">0.70</td> <td style="text-align: center;">0.57</td> </tr> <tr> <td></td> <td style="text-align: center;">245.08</td> <td style="text-align: center;">2.64</td> <td style="text-align: center;">0.65</td> </tr> </tbody> </table>				ऋण का प्रकार Loan Type	लेन-देन का ब्योरा Transaction details	प्रतिभूतिकृत ऋण की राशि Amt of exposure securitized	अभिलाभ Gain	यथा 31.3.10 को हिसाब में न लिया गया अभिलाभ Unrecognised as on 31/3/10	खुदरा सीवी ऋण Retail CV loans	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-I IBRL Trust June 2009-I	38.39	0.40	0.02	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-II IBRL Trust June 2009-II	65.41	0.66	0.03	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-III IBRL Trust June 2009-III	95.20	0.88	0.03	आईबीआरएल ट्रस्ट नवंबर 09 IBRL Trust Nov 09	46.08	0.70	0.57		245.08	2.64	0.65
ऋण का प्रकार Loan Type	लेन-देन का ब्योरा Transaction details	प्रतिभूतिकृत ऋण की राशि Amt of exposure securitized	अभिलाभ Gain	यथा 31.3.10 को हिसाब में न लिया गया अभिलाभ Unrecognised as on 31/3/10																											
खुदरा सीवी ऋण Retail CV loans	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-I IBRL Trust June 2009-I	38.39	0.40	0.02																											
	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-II IBRL Trust June 2009-II	65.41	0.66	0.03																											
	आईबीआरएल ट्रस्ट जून 2009-III IBRL Trust June 2009-III	95.20	0.88	0.03																											
	आईबीआरएल ट्रस्ट नवंबर 09 IBRL Trust Nov 09	46.08	0.70	0.57																											
		245.08	2.64	0.65																											



<p>निम्न की कुल राशि : Aggregate amount of:</p> <ul style="list-style-type: none"> ऋण के प्रकार के अनुसार विभक्त प्रतिधारित या खरीदे गए तुलन पत्र में शामिल किये गये प्रतिभूतिकरण ऋण On-balance sheet securitisation exposures retained or purchased broken down by exposure type 	<p>प्रतिधारित / खरीदे गए Retained/purchased द्वितीय हानि सुविधा Second Loss Facility चलनिधि सुविधा (2 प्रतिभूतिकरण लेन-देनों के लिए) Liquidity Facility (for 2 securitisation transaction) चलनिधि सुविधा (6 प्रत्यक्ष समनुदेशन लेन-देनों के लिए) Liquidity Facility (for 6 direct assignment transaction)</p> <p>कुल Total</p>	<p>शून्य Nil 30.98 करोड़ रुपये Rs. 30.98 cr. 33.25 करोड़ रुपये Rs. 33.25 cr. 23.07 करोड़ रुपये Rs. 23.07 cr. 87.30 करोड़ रुपये Rs. 87.30 cr.</p>		
<ul style="list-style-type: none"> ऋण के प्रकार के अनुसार विभक्त तुलन पत्र में शामिल न किए गए प्रतिभूतिकरण ऋण Off-balance sheet securitisation exposures broken down by exposure type 	<p>बैंक गारंटी के रूप में चलनिधि सुविधा 9.07 करोड़ रुपये रही Liquidity Facility in the form of Bank Guarantee amounted to Rs. 9.07 crore</p>			
<ul style="list-style-type: none"> प्रतिधारित या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण ऋणों की कुल राशि और संबद्ध पूंजी प्रभार, ऋणों में विभक्त और हरेक विनियामक पूंजी दृष्टिकोण के लिए अलग-अलग जोखिम भार दायरे में पुनः विभक्त Aggregate amount of securitisation exposures retained or purchased and the associated capital charges, broken down between exposures and further broken down into different risk weight bands for each regulatory capital approach 	(करोड़ रुपये / Rs. Crore)			
	<p>सुविधा Facility</p>	<p>100% सीसीआर पर राशि Amt. At 100% CCR</p>	<p>रेटिंग Rating</p>	<p>जोखिम भार Risk Weight</p>
	चलनिधि सुविधा Liquidity Facility	56.32	समूह रेटिंग एएए (एसओ) (फिच एवं केयर) Pool rating AAA (SO) (FITCH & CARE)	20%
	चलनिधि सुविधा (बैंक गारंटी) Liquidity Facility (BG)	9.07	समूह रेटिंग एएए (एसओ) (क्रिसिल) Pool rating AAA (SO) (CRISIL)	20%
	द्वितीय हानि सुविधा Second Loss Facility	30.98	एलबीबीबी (एसओ) (इक्रा) LBBB (SO) (ICRA)	100%
<ul style="list-style-type: none"> ऋण जिन्हें टियर I पूंजी से पूरी तरह से घटाया गया है, कुल पूंजी में से घटाए गए ऋण वृद्धिकारी बकाया लिखत और कुल पूंजी में से घटाए गए अन्य ऋण (ऋण के प्रकार के अनुसार) Exposures that have been deducted entirely from Tier 1 capital, credit enhancing I/Os deducted from total capital, and other exposures deducted from total capital (by exposure type). 	<p>आवास ऋण प्रतिभूतिकरण पीटीसी 6.72 करोड़ रुपये (टियर I से 3.36 करोड़ रुपये तथा टियर II से 3.36 करोड़ रुपये) Home Loan Securitisation PTCs. Rs 6.72 crore (Rs. 3.36 crore from Tier I and Rs. 3.36 crore from Tier II)</p>			



<p>घ. d.</p>	<p>व्यापारिक बही में बैंक के प्रतिभूतिकरण कार्यकलापों के संबंध में मात्रात्मक प्रकटन निम्नलिखित हैं : Quantitative disclosures with respect to securitisation activities of the Bank in the Trading book are as follows:</p>	
<p>1.</p>	<p>बैंक द्वारा प्रतिभूतिकृत ऋणों की कुल राशि जिनके लिए बैंक ने कुछ ऋण जोखिमों को अपने पास रखा है और जो ऋण के प्रकार के अनुसार बाज़ार जोखिम दृष्टिकोण के अधीन हैं. Aggregate amount of exposures securitised by the bank for which the bank has retained some exposures and which is subject to the market risk approach, by exposure type.</p>	<p>शून्य Nil</p>
<p>2.</p>	<p>निम्न की कुल राशि : Aggregate amount of: • ऋण के प्रकार के अनुसार विभक्त प्रतिधारित या खरीदे गए तुलन पत्र में शामिल किये गये प्रतिभूतिकरण ऋण और on-balance sheet securitisation exposures retained or purchased broken down by exposure type;</p>	<p>पीटीसी में निवेश (बकाया) - 118.97 करोड़ रुपये Investments (outstanding) in PTCs - Rs 118.97 cr.</p>
	<p>• ऋण के प्रकार के अनुसार विभक्त तुलन पत्र में शामिल न किए गए प्रतिभूतिकरण ऋण. off-balance sheet securitisation exposures broken down by exposure type.</p>	<p>शून्य Nil</p>
<p>3.</p>	<p>निम्न के लिए अलग-अलग प्रतिधारित या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण ऋणों की कुल राशि : Aggregate amount of securitisation exposures retained or purchased separately for: • विशिष्ट जोखिम के लिए व्यापक जोखिम उपाय के अधीन प्रतिधारित या खरीदे गए प्रतिभूतिकरण ऋण securitisation exposures retained or purchased subject to Comprehensive Risk Measure for specific risk; and • विभिन्न जोखिम भार दायरों में विभक्त विशिष्ट जोखिम के लिए प्रतिभूतिकरण ढाँचे के अधीन प्रतिभूतिकरण ऋण securitisation exposures subject to the securitisation framework for specific risk broken down into different risk weight bands.</p>	<p>शून्य Nil 20% जोखिम भार वहन करने वाले पीटीसी में निवेश 118.97 करोड़ रुपये. Investments in PTCs carrying 20% risk weight -Rs 118.97 crore.</p>



		(करोड़ रुपये / Rs. Crore)			
		सुविधा Facility	100% सीसीआर पर राशि Amt. At 100% CCR	रेटिंग Rating	जोखिम भार Risk Weight
4.	निम्न की कुल राशि : Aggregate amount of: <ul style="list-style-type: none"> प्रतिभूतिकरण ऋणों के लिए पूंजी अपेक्षाएं, अलग-अलग जोखिम भार दायरे में विभक्त प्रतिभूतिकरण ढाँचे के अधीन the capital requirements for the securitisation exposures, subject to the securitisation framework broken down into different risk weight bands. 	क्रय Purchased	118.97	एएए (एसओ) (क्रिसिल, केयर एवं फिच) AAA(SO) (CRISIL, CARE & FITCH)	20%
	<ul style="list-style-type: none"> ऋण जिन्हें टीयर 1 पूंजी से पूरी तरह से घटाया गया है, कुल पूंजी में से घटाए गए ऋण वृद्धिकारी बकाया लिखत और कुल पूंजी में से घटाए गए अन्य ऋण (ऋण के प्रकार के अनुसार). securitisation exposures that are deducted entirely from Tier 1 capital, credit enhancing I/Os deducted from total capital, and other exposures deducted from total capital (by exposure type). 	शून्य Nil			

8. परिचालन संबंधी जोखिम Operational Risk

परिचालन संबंधी जोखिम प्रत्यक्ष या परोक्ष हानि का जोखिम है, जो आंतरिक कार्यकलापों, व्यक्तियों और पद्धतियों में खामियों या असफलताओं के कारण या बाहरी घटनाओं के कारण होता है। परिचालन संबंधी जोखिम में विधि जोखिम भी शामिल है किंतु रणनीति व प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम शामिल नहीं हैं। विधि जोखिम के अंतर्गत पर्यवेक्षी कार्यों के साथ-साथ निजी समझौतों के कारण होने वाले जुर्माने, दंड या दंडात्मक हर्जाने शामिल (किंतु इन तक सीमित नहीं) हैं। बैंक को व्यावहारिक त्रुटियों, धोखाधड़ियों, अनदेखी आपातकालीन विपत्तियों के कारण होने वाली अप्रत्याशित हानि जैसे परिचालन संबंधी जोखिम का सामना करना पड़ता है।

Operational risk is the risk of direct or indirect loss resulting from inadequate or failed internal processes, people and systems or from external events. Operational risk also includes legal risk but excludes strategic and reputational risk. Legal risk includes, but is not limited to, exposure to fines, penalties, or punitive damages resulting from supervisory actions as well as private settlements. The Bank faces operational risk due to its exposure to potential errors, frauds, or unforeseen catastrophes resulting in unexpected losses in the course of its business activities.

बैंक की परिचालन संबंधी जोखिम प्रबंध प्रणाली इन जोखिमों का प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए उचित जोखिम प्रबंध ढांचा तैयार कर इसकी आवधिक रूप से समीक्षा करती है और इसके लिए जागरूकता पैदा करती है। बैंक का अपना एक परिचालन जोखिम समूह भी है, जो परस्पर-कार्यकारी समूह है। इसे परिचालन जोखिम प्रबंध ढांचे के कार्यान्वयन पर निगरानी रखने की समग्र जिम्मेदारी सौंपी गई है।

The Operational Risk Management System of the Bank ensures effective management of such risks by developing an appropriate operational risk management framework, reviewing it periodically and creating awareness thereof. The Bank has an Operational Risk Group which is a cross-functional Group assigned with the overall responsibility for overseeing the implementation of the operational risk management framework.